

संक्षिप्त

समाचार

भवनाथपुर में रेल लाइन की मांग को लेकर संघर्ष समिति ने गठित की पंचायत कमिटी भवनाथपुर, एजेंसी। सिंदूरिया पंचायत के झोपड़पट्टी स्थित रेलवे लाइन के पास बुधवार को मेराल-भवनाथपुर-चोपन रेल चलाओ संघर्ष समिति की भवनाथपुर इकाई की पंचायत कमिटी के गठन को लेकर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष प्रेम कुमार चौबे ने की। बैठक में सर्वसम्मति से सिंदूरिया पंचायत कमिटी का गठन किया गया। नवनिर्मित पंचायत कमिटी में गभीर लोहार को अध्यक्ष, गंगा लोहार और कमलेश भुईया को उपाध्यक्ष, अमित कुमार वर्मा को सचिव, रवि कुमार सोनी को उपसचिव, राहुल मिश्रा को कोषाध्यक्ष और शनिवार अगरिया को उपकोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं ददुली साह, जीवन भुईया, राजेश गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, संतोष कुमार और मोला बड़ाड़ को मुख्य संरक्षक बनाया गया। बैठक में प्रखंड कमिटी के उपाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गुप्ता, नरहसिध राजमोहन यादव, सचिव मनु उपाध्याय, मीडिया प्रभारी शैलेश कुमार चौबे, सोशल मीडिया प्रभारी टयानन प्रजापति, अमित कुमार, संयोजक सुरेश गुप्ता और संरक्षक जीवन साह समेत दर्जनों गागीण मौजूद थे। बैठक में सभी ने रेलवे लाइन पर बैठकर हस्ताक्षर अभियान चलाने और लोगों को जागरूक कर अभियान को गति देने पर जोर दिया। इस दौरान लोगों ने नारेबाजी कर सांसद विष्णु दयाल राय और भारत सरकार के रेल मंत्री का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकृष्ट कराया।

रांची में धारदार हथियार से हमला कर 67

वर्षीय महिला की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

रांची, एजेंसी। बुढ़म थाना क्षेत्र के चांया गांव में मंगलवार की रात 67 वर्षीय ननकी देवी की अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के बाद बुढ़म पुलिस मौके पर पहुंची और शव को लेबर पोस्टमार्टम के लिए रिफ्स भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, खाने-पीने के दौरान हुए आपसी विवाद के बाद महिला की हत्या किए जाने की आशंका जतायी जा रही है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन छानबीन कर रही है। नृतका के परिजनो ने घटना में कुछ संदिग्ध लोगों की सलिपता की आशंका जतायी है। इस संबंध में परिजनो ने पुलिस को आवेदन देकर संदिग्ध लोगों के नाम भी बताए हैं। पुलिस आवेदन और उपलब्ध जानकारी के आधार पर मामले की जांच कर रही है। खाना प्रभारी नवीन शर्मा ने बताया कि मामले में गहन छानबीन की जा रही है। उन्होंने कस कि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में झारखंड पुलिस

का शानदार प्रदर्शन, दो जवानों ने जीते पदक



रांची, एजेंसी। हरियाणा के मधुबन में आयोजित 75वीं अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर प्रतियोगिता 2026-27 में झारखंड पुलिस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता के तहत आयोजित बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा में झारखंड पुलिस के दो जवानों ने पदक अपने नाम किए। 23 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में झारखंड पुलिस के हवलदार संतोष कुमार बोबोना ने 56 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। वहीं, आशीष वीरेंद्र बोढ्या, झारखंड संरक्षक पुलिस-6 ने 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर झारखंड पुलिस की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ा। इस प्रतियोगिता को आयोजन हरियाणा पुलिस की मेजबानी में मधुबन, हरियाणा में किया गया था। जिसमें देशभर की पुलिस इकाइयों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में झारखंड पुलिस के दोनों खिलाड़ियों का पदक जीतना उनके अग्रगण्य, मेहनत और खेल प्रतिभा को दर्शाता है। दोनों खिलाड़ियों को इस उपलब्धि से झारखंड पुलिस महकमें में खुशी का माहौल है। पदक जीतने वाले जवानों को पुलिस अधिकारियों और सहकर्मियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक हासिल करना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है।

कस्तूरबा बालिका विद्यालय में स्वच्छता

जागरूकता शिविर आयोजित

गढ़वा, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक आरसेटी गढ़वा की ओर से कस्तूरबा बालिका विद्यालय में स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरसेटी गढ़वा के निदेशक डॉ संजय कुमार ने उपस्थित छात्राओं को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और सांख्यिकता एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां स्वच्छता रहती है, वहां संपन्नता के साथ सुख-सुविधाओं भी विद्यमान रहती है। डॉ संजय कुमार ने कहा कि महिला गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को भारत सरकार द्वारा स्वच्छता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सभी लोगों को अपने-अपने स्तर से आसपास के क्षेत्र में एक घंटे के सफाई अभियान में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निगाने की अपील की। क्विटेक के इस आह्वान पर छात्राओं ने प्रसन्नता जतायी। सभी छात्राओं ने 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले सफाई अभियान में बड़-चढ़कर हिस्सा लेने की सहमति जतायी। कार्यशाला के माध्यम से छात्राओं को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

सिविल सर्जन हुए सेवानिवृत्त, सीएस कार्यालय में विदाई-सह-सम्मान समारोह आयोजित

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /



धनबाद (सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा आज सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सिविल सर्जन कार्यालय में उनके लिए एक भव्य विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने डॉ. विश्वकर्मा के कार्यकाल में मिले निरंतर मार्गदर्शन, प्रशासनिक सहयोग और साझा अनुभवों को याद किया। वक्ताओं ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में उनके उल्लेखनीय योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम में डॉ. आलोक विश्वकर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की गई। विदाई समारोह में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. सुनील कुमार, डॉ. मंजू दास, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. रोहित गौतम, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, संजू कुमार सहाय, मनोज कुमार मंडल, नारायण रजवार, रामानंद प्रसाद, रणधीर कुमार, राजनिमी मुर्मू सहित सिविल सर्जन कार्यालय के कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

SIR-2026 को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची/गिरिडीह – समाहरणालय सभागार में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड श्री के. रवि कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रुक् 2026) को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे स्ट्रुक् कार्यों की विधानसभा-वार समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 05 अगस्त 2026 से 29 सितंबर 2026 तक जिले में फॉर्म-6 के 49,612 आवेदन, फॉर्म-7 के 569 आवेदन और फॉर्म-8 के 55,626 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदनों के सत्यापन, निष्पादन और लॉबित मामलों के कारणों की समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि स्ट्रुक् के तहत मतदाताओं को दिए गए नोटिसों की सुनवाई और दस्तावेजों का सत्यापन नियमानुसार और पूरी पारदर्शिता के



साथ किया जाए। किसी भी पात्र मतदाता को अनावश्यक परेशानी न हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि फॉर्म-6, 6, 7 और 8 भरने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 है, इसलिए सभी लॉबित आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ईसाई मिशनरी



द्वारा संचालित अनाथालय 'प्रेमदान' और शहर के वृद्धाश्रम भी पहुंचे। उन्होंने वहां निवास कर रही महिलाओं, सेविकाओं और बुजुर्गों से मतदाता सूची में नाम और दस्तावेजों की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनाथालय और वृद्धाश्रम में रहने वाले लोगों के लिए विशेष शिविर लगाकर

दस्तावेज और मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रियाएं पूरी कराई जाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने अधिकार से वंचित न रहे। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त सहित सभी निर्वाची पदाधिकारी और निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में पेंशन दरबार-सह-सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री द्वारा 06 शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के ही दिन प्रदान किए गए समस्त रिटायरमेंट बेंनिफिट

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में पेंशन दरबार सह सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त होने वाले 06 शिक्षकों को उनके परिवारजनों के समक्ष ससम्मान विदाई दी गई तथा सेवानिवृत्ति के ही दिन उन्हें समस्त रिटायरमेंट बेंनिफिट प्रदान किए गए। जनवरी 2025 से सेवानिवृत्ति के दिन ही मिल रहा पूरा रिटायरमेंट बेंनिफिट रांची जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री की निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में जनवरी 2025 से सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के ही दिन सभी रिटायरमेंट बेंनिफिट प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को उनके सेवाकाल के उपरांत किसी प्रकार



की अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा उन्हें सम्मानजनक एवं सहज तरीके से उनके सभी देय लाभ उपलब्ध कराए जा सकें। पेंशन दरबार सह सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का यह 21वाँ संस्करण है। इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के सेवकाल और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल बच्चों को शिक्षा ही नहीं देते,

बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, बेहतर भविष्य और एक बेहतर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से सेवा देने वाले शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करना गौरव का विषय है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद का समय स्वयं और परिवार के साथ बिताने का अवसर है। उन्होंने सभी से अपने स्वास्थ्य का

विशेष ध्यान रखने एवं स्वस्थ और सुखद जीवन व्यतीत करने की कामना की।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर निम्न शिक्षकों को सम्मानित किया गया :-

1. प्रदीप भगत, प्रधानाध्यापक, रा.म.वि., बुढ़म। 2. पोखराज प्रसाद सिन्हा, स.शि., उल्लूकित उच्च विद्यालय उरुगुड़, काँके। 3. पैंसेस तिकी, स.शि., रा.म.वि. बी.आई.टी. मेसरा, काँके। 4. गीता कुमारी, स.शि., रा.म.वि. सिमलिया, रातू। 5. संगीता रानी, स.शि., रा.म.वि. हेहल, रातू। 6. नूर बाखला, स.शि., रा.म.वि. हिन्दू यूनाइटेड, राँची-2। समारोह में जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज सहित शिक्षा विभाग के पदाधिकारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे। यह पहल रांची जिला प्रशासन की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें वर्षों तक सेवा देने वाले कर्मियों को सेवानिवृत्ति के समय न केवल उनके सभी देय लाभ समय पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि उन्हें सम्मान और आत्मियता के साथ विदाई भी दी जा रही है।



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। बलियापुर:

प्रखंड अंतर्गत आजीविका महिला संकुल संगठन स्वाम्बी सहकारी समिति लिमिटेड के पलानी संकुल का वार्षिक आम सभा सह सम्मेलन का आयोजन आज रूबन मिशन भवन, फकीरडीह में अत्यंत हॉल्लेस के साथ किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रमुख पंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता एवं पंचायत समिति सदस्य (पसंस) दिवाकर महतो प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस महासम्मेलन में पलानी संकुल के अंतर्गत आने वाले कुल छह पंचायतों की सैकड़ों दीदियों ने बड़-

चक्रर हिस्सा लिया। आम सभा के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्यय (बजट) का लेखा-जोखा और ब्यौरा सर्वसम्मति से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, आगामी वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने और ग्रामीण महिलाओं को और अधिक सशक्त व स्वावलंबी बनाने का संकल्प लिया गया। माननीय अतिथियों के हार्थों सम्मानित हुईं आजीविका दीदियों-महोत्सव के विशेष सभा में संगठन के तहत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली तथा विभिन्न स्वरोजगार कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली बहुत सारी दीदियों को प्रमुख पंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता एवं पंचायत समिति सदस्य दिवाकर महतो प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक के हार्थों स्मृति चिह्न और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

विशेष स्वास्थ्य शिविर में 135 मरीजों की हुई जांच



दैनिक अलग पहचान, संवाददाता, रांची /

धनबाद। बुधवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कारीटांड में एक दिवसीय विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। दिनभर चले इस शिविर में कुल 135 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। टीबी उन्मूलन अभियान के तहत संदिग्ध मरीजों की पहचान के लिए शिविर में विशेष व्यवस्था की गई थी। इसके अंतर्गत 100 मरीजों का चेस्ट एक्स-रे किया गया, जबकि 60 संभावित

मरीजों के बलगम के नमूने एकत्र किए गए। एक्त्रित नमूनों को विस्तृत जांच के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया गया। शिविर के सफल संचालन और समन्वय में वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक सह चैयरमैन, भारतीय रेडक्रॉस समिति धनबाद कोशलेंद्र कुमार सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ग्रामीणों को टीबी के लक्षणों और समय पर जांच के महत्व के प्रति जागरूक भी किया। शिविर को सफल बनाने में बैकुंठ प्रसाद, शिवम कुमार सिंह, नरेश कुमार मांजी, सीएचओ मुकेश एक्का, एएनएम पुष्पा देवी तथा सहिया सरस्वती देवी, पंती देवी, बसंती देवी, ताप देवी, उर्मिला देवी, अनीता देवी एवं सीता देवी का सराहनीय योगदान रहा।

रांची बनेगी नया टेक हब, 2029 तक शुरू होगा अत्याधुनिक आईटी पार्क, सृजित होंगे 75 हजार रोजगार



इंजीनियरिंग व तकनीकी युवाओं को अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय अवसर मिलेंगे और प्रतिभा पलायन पर रोक लगेगी।

इस महत्वाकांक्षी आईटी पार्क के लिए रांची के सबसे प्रमुख प्रशासनिक व शैक्षणिक कॉरिडोर को चुना गया है। आईआईएम रांची, नए विधानसभा परिसर और झारखंड उच्च न्यायालय के निकट उपलब्ध लगभग 100 एकड़ भूमि को संभावित स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। इस परिसर में आधुनिक

कार्यालय, मजबूत डिजिटल कनेक्टिविटी और बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियों के अनुकूल वैश्विक सुविधाएं तैयार की जाएंगी।

बैठक में पारंपरिक आईटी सेवाओं के अलावा अत्याधुनिक और भविष्य की तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के जरिए फॉर्च्यून और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बैकएंड ऑपरेशंस, डेटा एनालिटिक्स व कोर रिसर्च का संचालन झारखंड से करने

पर चर्चा हुई। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग, आधुनिक मैनुफैक्चरिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और न्यूक्लियर एनर्जी जैसे हाई-टेक क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अक्टूबर माह में बंगलुरु का दौरा करेगा। यह टीम वहां के स्थापित आईटी पार्कस, तकनीकी इकोसिस्टम, सिगल-विंडो निवेश नीतियों और कंपनियों को दी जा रही सुविधाओं का व्यावहारिक अध्ययन करेगी, जिसके आधार पर रांची के लिए अंतिम मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

झारखंड में 2 से 7 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह,

वॉकथॉन से बर्ड वॉचिंग तक होंगे कई आयोजन

रांची, एजेंसी। झारखंड में वन्यजीवों के संरक्षण और आम लोगों को इनके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 2 से 7 अक्टूबर तक 72वां वन्यजीव सप्ताह मनाया जाएगा। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से सप्ताह के दौरान राज्यभर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें प्रभात फेरी, वॉकथॉन, बर्ड वॉचिंग, स्वच्छता अभियान, शैक्षणिक भ्रमण और स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

वन्यजीव सप्ताह का राज्य स्तरीय उद्घाटन 2 अक्टूबर को डोरंड स्थित पलाश हॉल में होगा। इस दौरान प्रभात फेरी और वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के जरिए लोगों, खासकर युवाओं और विद्यार्थियों को वन्यजीवों, जंगलों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। 3 अक्टूबर को राज्य के संरक्षित क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

इसके साथ विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण और बर्ड वॉचिंग कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इन



गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को वन्यजीवों और जैव विविधता के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देने की योजना है। 4 अक्टूबर को रांची में 10 किलोमीटर वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत प्रधान मुख्य वन संरक्षक करेंगे। वहीं, 5 अक्टूबर को जिला स्तर पर स्कूली बच्चों

और युवाओं के लिए पेंटिंग, ड्राइंग और निबंध प्रतियोगिताएं होंगी।

प्रतियोगिताओं के जरिए वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विषयों को बच्चों के बीच पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। वन्यजीव सप्ताह के दौरान वन्यजीव अपराध और मानव-वन्यजीव संघर्ष

जैसे मुद्दों पर भी विशेष चर्चा होगी। 6 अक्टूबर को होटल वीएनआर चाणक्य में अंतर-एजेंसी समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें पुलिस, रेलवे, विद्युत और पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में वन्यजीव अपराधों पर रोक लगाने तथा रेल और बिजली लाइनों से होने वाली वन्यजीव दुर्घटनाओं को कम करने के उपायों पर चर्चा होगी।

इसी दिन मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और वन्यजीवों के आवागमन वाले क्षेत्रों के संरक्षण को लेकर कोरिडोर संरक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। साथ ही वन्यजीव और प्रकृति से जुड़ी फोटोग्राफी प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। 7 अक्टूबर को समापन समारोह के साथ छह दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों का समापन होगा। मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) संजीव कुमार ने आम नागरिकों, विद्यार्थियों, पर्यावरण प्रेमियों और स्वयंसेवी संस्थाओं से वन्यजीव सप्ताह के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

गुमला में लंबे समय से खाली जेई और लाइनमैन के पद भरने की मांग

गुमला, एजेंसी। फेडरेशन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में राज्य के सभी जिलों की समस्याओं और औद्योगिक विकास से जुड़े मुद्दों पर गंथन किया गया। बैठक में गुमला से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से रखा गया। दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल के रीजनल वाइस प्रेसिडेंट दामोदर कसेरा ने कहा कि गुमला-लोहरदगा में बॉक्साइट आधारित उद्योग स्थापित होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राजस्व में भी इजाफा होगा। उन्होंने गुमला समेत चार जिलों में सरकारी भूमि को विभिन्न कर इंडस्ट्रियल एरिया घोषित करने की मांग की। दामोदर कसेरा ने कहा कि उद्योग सस्सिडी का लाभ मिलने से बेरोजगार युवा लघु उद्योग शुरू कर सकते हैं। इससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और स्थानीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में गुमला में लंबे समय से रिवत गुनियर इंजीनियर और लाइनमैन के पदों पर नियुक्ति का मुद्दा भी उठया गया। कसेरा ने इन रिवत पदों को भरने की मांग रखी। मौके पर चैंबर के अध्यक्ष तुलसी पटेल को बुके देकर सममानित किया गया।।

पालकोट में आंदोलनकारियों ने तीन घंटे जाम किया एनएच

पालकोट, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को संपूर्ण झारखंड बंद के तहत पालकोट में करीब तीन घंटे तक राष्ट्रीय उच्च पथ जाम रहा। प्रखंड अग्रस्थ निमरोट एक्का के नेतृत्व में आंदोलनकारी सुबह करीब आठ बजे ब्लॉक चौक-रायडीह नौड के समीप सड़क पर बैठ गये। हाथों में पापेपरिक हथियार और लाल-उड़ी लेकर आंदोलनकारियों ने सड़क जाम कर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। जाम की सूचना मिलने पर बीडीओ विजय उपाय और थाना प्रभारी अकिंर राज मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से वार्ता की और उनकी मांगों को उचित स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद आंदोलनकारियों ने जाम हटा लिया, जिससे सड़क यातायात सामान्य हो गया। प्रखंड अग्रस्थ निमरोट एक्का और सखिव अग्रय कुमार कुनूर ने कहा कि झारखंड गठन के 26 वें बाद भी आंदोलनकारियों और शहीदों के आश्रित परिवारों को उन्माद हक और अधिकार नहीं मिला है। इनहीं मांगों को लेकर 30 सितंबर को पूरे झारखंड में बंद का आह्वान किया गया था। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों की लंबित मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से बंद का आयोजन किया गया है। इस दौरान आंदोलनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।।

3 साल पहले खरीदे वाटर प्यूरीफायर सिस्टम कबाड़ में तब्दील

कुड़ु, एजेंसी। 15वें वित्त आयोग की राशि से करीब तीन साल पहले पंचायतों में खरीदे गए वाटर प्यूरीफायर सिस्टम अब तकनीकी और नानुली खराबियों के कारण योग्य बनेते जा रहे हैं। कई जगहों पर आरओ सिस्टम में कहीं पाइप टूटने, कहीं बिजली कनेक्शन का तार खराब होने, कहीं लत जाम होने तो कहीं हीट बंद होने के कारण ये सिस्टम उपयोग के लायक नहीं रह गए हैं। संबंधित विद्यालयों की प्रधानाचार्य, आंगनबाड़ी सेविकाओं और अन्य कर्मियों द्वारा कई बार पंचायत के मुखिया को सूचना देने के बावजूद सिस्टम ठुकरा नहीं करया जा सका है। इसका सीधा असर विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों पर पड़ रहा है। आरओ सिस्टम खराब रहने के कारण बच्चे चापानल का पानी पीने को मजबूर है, जबकि परिसर में लगा वाटर प्यूरीफायर सिस्टम उनके समूहने ही बेकार पड़ा हुआ है। बताया जाता है कि वर्ष 2024 में 15वें वित्त आयोग के तहत पंचायतों को विकास कार्यों के लिए राशि आवंटित की गई थी। इसमें टैंडर और अनटैंडर फंड शामिल था। राज्य सरकार के एक पत्र का हवाला देते हुए संबंधित पंचायतों के मुखियाओं द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों, सरकारी विद्यालयों में लगा वाटर प्यूरीफायर सिस्टम बंद हो इलाज के लिए पहुंचने वाले लोगों और पंचायत सचिवालय आने वाले ग्रामीणों को सुविधा देने के उद्देश्य से वाटर प्यूरीफायर हीटर सिस्टम की खरीदारी की गई थी। इसका उद्देश्य ठंड के मौसम में गर्म पानी और गर्मी के दिनों में टैंडर प्रेसजल उपलब्ध कराना बताया गया था।।

दुर्गा पूजा की तैयारियों का केंद्रीय समिति के महामंत्री ने लिया जायजा

लोहरदगा, एजेंसी। आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर लोहरदगा में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति, लोहरदगा के महामंत्री कुणाल वर्मा ने रेलवे साइडल स्थित मां अंबे पूजा समिति के निर्माणधीन पूजा पंडाल परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।इस दौरान पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव के सफल, मंदा और सुदृढ़स्थित आयोजन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। पंडाल निर्माण, विद्युत सज्जा, साफ-सफाई, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और पूजा कार्यक्रमों के सुचारु संचालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। कुणाल वर्मा ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का विराट पर्व है। लोहरदगा की समृद्ध पूजा परंपरा को और अधिक गरिमानय स्वरूप प्रदान करने के लिए केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति सभी पूजा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी समितियों के आपसी सहयोग और समुद्धि के सहयोगिता से दुर्गोत्सव को अद्वयस्थित, सुरक्षित और मंदा स्वरूप प्रदान किया जा सकता है। महामंत्री ने निर्माणधीन पूजा पंडाल का अवलोकन करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आरक्षक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जानी चाहिए।इस दौरान पूजा समिति के अध्यक्ष समखोलानन गुप्ता सहित ज्येश्ठ सिंह, मनोज साहू, छोटन ठाम्ग, चंदन साहू, संपन्न कुमार, आलोक कुमार, आहूद कुमार, अरविंद वर्मा, सुशील कुमार, शैलेश वर्मा, अतुल गणपत, मयंक दादरू, गोपुल, राहुल, दीपक साहू, प्रवीण दादरू, यशवी अग्र्वा, श्रेयन सिद्धार्थ एवं प्रियासु कुमार सहित समिति के अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को श्रद्धा और भक्ति के साथ मंदा रूप से संपन्न कराने का संकल्प लिया।।

जीएसटी आईटीसी घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, झारखंड और बंगाल के कई ठिकानों पर छापेमारी

रांची, एजेंसी। जीएसटी में कथित गड़बड़ी और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) हासिल करने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम झारखंड और पश्चिम बंगाल के चार ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत की जा रही है।

ईडी से मिली जानकारी के अनुसार, एजेंसी की इस कार्रवाई के दायरे में कई शहर हैं। हालांकि अब तक मिली जानकारी के अनुसार, जमशेदपुर के तीन और कोलकाता का एक परिसर शामिल हैं। जहां ईडी की रेंड चल रही है। यह मामला जमशेदपुर के एक उद्योगपति, उनके लेखाकार और अन्य संबंधित लोगों से जुड़ा हुआ है। जांच में आरोप है कि उस उद्योगपति ने ऐसी स्थितिओं से माल की खरीद के फर्जी चालान प्राप्त किया, जिनका वास्तविक अस्तित्व नहीं था। इन चालानों के आधार पर बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के ही नकली जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाना गया। जीएसटी व्यवस्था में इनपुट टैक्स क्रेडिट के तहत

रांची/ आसपास

झारखंड में एसआईआर से साफ होंगे घुसपैठिए

जल-जंगल-जमीन बचाने की है लड़ाई- पूर्व सीएम चंपई सोरेन का झामुमो-कांग्रेस गठबंधन पर कड़ा प्रहार

रांची, एजेंसी। झारखंड में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी स्ट्रुक् को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने एसआईआर का विरोध करने वाले सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस गठबंधन पर कड़ा प्रहार किया है।

उन्होंने विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह प्रक्रिया चुनाव आयोग का कोई खेल या आदिवासियों के खिलाफ साजिश नहीं, बल्कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों के अस्तित्व, पहचान और जल-जंगल-जमीन को विदेशी घुसपैठियों से बचाने की निर्णायक लड़ाई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जनसार्वभ्यकीय बदलाव के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि वर्ष 1951 में झारखंड में आदिवासी आबादी 44 प्रतिशत थी, जो 2011 की जनगणना में घटकर महज 28 प्रतिशत रह गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह गिरावट स्वाभाविक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध घुसपैठ का परिणाम है। भगवान बिरसा मुंडा, सिंदो-कान्हू और फूलो-झानो की इस ऐतिहासिक धरती पर आज घुसपैठियों ने हजारों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- दो माह बाद भी कमेटी गठन की दिशा में नहीं हुई पहल

रांची, एजेंसी। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्मस मंच ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक बार फिर राज्य सरकार को विभिन्न मुद्दों को लेकर कठघरे में खड़ा किया। मंच के सदस्यों ने कहा कि सरकार की ओर से जेपीएससी में सुधार और परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए कमेटी गठित करने की बात कही गई थी। लेकिन करीब दो माह बीत जाने के बाद भी इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

रिफॉर्म मंच के सदस्य अर्चना कुमारी के अनुसार, सरकार ने घोषणा की थी कि जेपीएससी में सुधार के लिए अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया जाएगा। कमेटी में छत्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किए जाने की बात कही गई थी। मंच का आरोप है कि घोषणा के बाद दो महीने का समय बीत चुका है। लेकिन अब तक कमेटी के गठन को लेकर कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंच ने जेपीएससी की परीक्षा व्यवस्था और इससे जुड़े विवादों का भी मुद्दा उठाया। सदस्यों ने कहा कि लगातार परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते रहे हैं।

मंच का कहना है कि इन मामलों में कई अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है और कुछ मामलों में आरोपी जेल तक पहुंचे हैं। इसके बावजूद परीक्षा व्यवस्था में सुधार और भविष्य में

जमशेदपुर में अपराध बढ़ते अपराध पर भड़के जेडीयू विधायक सरयू राय, कहा- पुलिस का इकबाल खत्म हो रहा

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में बढ़ती अपराधिक घटनाओं को लेकर विपक्ष ने सरकार पर कई सवाल खड़े किए हैं। जमशेदपुर पश्चिम के जदयू विधायक सरयू राय ने शहर की स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए सरकार और प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

सरयू राय का कहना है कि जमशेदपुर में पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है। पुलिस को साफ समाह हो चुकी है। इसे कैसे पुनर्संथापित किया जाए, यह पुलिस प्रशासन को सोचना होगा। उन्होंने कहा कि राजनीति से जुड़े कई लोग ऐसे हैं जिन पर कई मामले हैं। उनका कई संदिग्ध लोगों से संपर्क है, जिसकी जांच भी होनी चाहिए।

आज पुलिस को यह जानकारी होनी चाहिए कि कौन ऐसा आदमी महत्वपूर्ण है, सत्ता के नजदीक है और पावरफुल कहा जाता है। उसके यहां आना-जाना कैसे लोगों का है, वह कहा-कहां जाता है और कहां उठता-बैठता है। इसलिए राजनीति और अपराधियों के घालमेल को तोड़ना चाहिए।



पाकुड़, राजमहल और साहिबगंज जैसे क्षेत्रों में सीएनटी-एसपीटी एक्ट प्रभावी होने के बावजूद फर्जी दस्तावेजों के सहारे आदिवासियों की जमीनें छीनी जा रही हैं और कई गांवों से आदिवासी परिवार पूरी तरह बेदखल हो चुके हैं।

चंपई सोरेन ने कहा कि घुसपैठ की समस्या केवल संथाल परगना तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में फैल चुकी है। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया में 4,143 फर्जी जन्म

प्रमाण पत्र जारी होने का मामला सामने आया था, जिस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं, सरायकेला-खरसावां जिले की कपाली पंचायत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 1995 की मतदाता सूची में वहां सिर्फ आदिवासी और मूलवासी समाज के नाम दर्ज थे, जबकि आज वहां एक वर्ग विशेष के 35,000 से अधिक वोटर बन चुके हैं और मूल निवासियों की जमीनें छीनी जा रही हैं।



ऐसी स्थिति रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

मंच ने कहा कि केवल अभ्यर्थियों पर कार्रवाई करने से परीक्षा व्यवस्था की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, जिम्मेदारी तय करने और व्यवस्था में सुधार के लिए संस्थागत स्तर पर कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने यदि कमेटी गठन की घोषणा की है तो उसे जल्द से जल्द अमल में लाया जाना चाहिए। इसमें छत्रों और अभ्यर्थियों की समस्याओं को भी स्थान मिलना चाहिए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया में सुधार को लेकर ठोस सुझाव सामने आ सकें।

रिफॉर्म कमेटी यथाशीघ्र बने और उसमें विभिन्न

साहिबगंज में गंगा नदी के कटाव से मालदा रेल खंड पर बड़ा खतरा! जानें, ट्रेनों के परिचालन पर कितना पड़ा असर

साहिबगंज, एजेंसी। मालदा रेल खंड पर बरहवा-साहिबगंज रेलखंड के महाराजपुर और सकरीगली के बीच झुंडूरी पुल के समीप मंगलवार दोपहर अचानक गंगा का कटाव तेज होने से रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया।

डाउन लाइन के पोल संख्या 219/32 के पास मिट्टी धंसने और कटाव तेजी से बढ़ने की सूचना मिलते ही रेलवे ने तत्काल बचाव एवं कटावरोधी कार्य शुरू कर दिया। गंगा का पानी अब रेल पटरी से करीब 20 मीटर की दूरी तक पहुंच गया है। जिससे रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेलवे कमियों ने मौके पर पहुंचकर गद्दी, बोल्ट्‌र, गिट्टी



समेत अन्य सामग्री की मदद से कटाव को रोकने और धंसी मिट्टी की मरम्मत का काम शुरू किया। रेलवे प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर ट्रैक को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है।

महाराजपुर स्टेशन प्रबंधक अमरजीत कुमार ने बताया कि मंगलवार दोपहर अचानक पोल संख्या 219/32 के समीप मिट्टी धंसने की सूचना मिली। इसकी जानकारी तत्काल रेल विभाग के अधिकारियों को दी गई। सूचना

51किमी साइकिल रेस सेशुरु होगा युवा विकास महोत्सव

बिश्नुनपुर, एजेंसी। युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, शारीरिक स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विकास भारती बिश्नुनपुर एवं संबद्ध इकाइयों की ओर से ‘युवा विकास महोत्सव-2026’ के तहत तीन दिवसीय विकास मैराथन दौड़ एवं साइकिल रेस का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 1 से 3 अक्टूबर तक होगी। इसमें बालक और बालिका दोनों वर्गों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। आयोजन के संचालक महेंद्र भगत ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहनशीलता विकसित होने के साथ स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। प्रतियोगिता के पहले दिन 1 अक्टूबर को 40वीं डॉ। कार्तिक उरांव साइकिल रेस आयोजित की जाएगी। करीब 51 किलोमीटर लंबी यह रेस लोहरदगा के बक्सीडीपा से शुरू होकर चिंगरी, बिश्नुनपुर तक होगी। 2 अक्टूबर को विकास मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रतिभागी घाघरा से चिंगरी तक करीब 28 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

हाथी दिखा तो वीडियो बनाने न दौड़ें, प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

सिमडेगा, एजेंसी। बोलबा प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को दिनदहाड़े जंगली हाथी के पहुंचने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कई लोग हाथी के करीब जाकर मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए। वहीं, कुछ बच्चे और किशोर हाथी का पीछा करते भी दिखे। घटना को लेकर जिला प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि हाथियों की मौजूदगी के दौरान किसी भी परिस्थिति में उनके करीब नहीं जाएं। हाथी को उकसाने या भगाने का प्रयास भी नहीं करें। उन्होंने कहा कि हाथी से पर्याप्त दूरी बनाए रखना ही सबसे सुरक्षित उपाय है। हाथियों की गतिविधि के दौरान घबराने के बजाय धैर्य और सतर्कता बरतें तथा प्रशासन और वन विभाग की टीमों के निर्देशों का पालन करें।

उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि हाथियों के झुंड के पास न जाएं और उन पर पत्थर न फेंकें। हाथियों को भगाने के लिए बेवजह शोर मचाने, फ्लैशलाइट, मशाल या किसी अन्य तरीके से उन्हें परेशान करने से भी बचें। हाथियों की मौजूदगी के दौरान घर से बाहर निकलने से बचें और बच्चों, बुजुर्गों तथा महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर रखें।

उन्होंने कहा कि रात के समय अकेले खेत, जंगल या सुनसान रास्तों की ओर जाने से बचें। घरों के आसपास महूआ, हंडिया, शराब अथवा तेज गंध वाली अन्य नशीली वस्तुओं को खुले में नहीं रखें। हाथियों से संबंधित किसी भी अपकवाह पर विश्वास नहीं करें और बिना पुष्टि के ऐसी सूचनाओं को सोशल मीडिया पर प्रसारित भी न करें।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस और वन विभाग की टीमें हाथी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार नजर रख रही हैं। ग्रामीणों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्टेशन तक ही रोक दिया गया। इधर, शाम करीब पांच बजे साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या तीन पर साहिबगंज से रामपुरहाट जाने वाली लोकल ट्रेन को रोक दिया गया। ट्रेन पकड़ने के लिए यात्री पहले ही स्टेशन पहुंच चुके थे लेकिन करीब डेढ़ घंटे तक ट्रेन के रुके रहने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे प्रशासन की ओर से कटाव की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मालदा के एडीआरएम समेत अन्य रेल अधिकारी महाराजपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि भागलपुर से साहिबगंज की ओर आने वाली सभी ट्रेनों की रुट बदल दी गई है।

भेज शव के शिनाख्ती का प्रयास किया जा रहा है।

पूरे मामले पर शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा ने बताया कि महिला का शव फेंक फेंक कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम आकर इसकी जांच करेगी। मौत के कारण का पता करने के लिए सबसे जरूरी है कि डेड बॉडी की पहचान की जाए इसके लिए प्रयास किया जा रहे हैं। यह भी संभावना हो सकती है कि इसकी हत्या कहीं और की गई हो और शव को यहां लाकर ठिकाने लगा दिया गया हो। कुल मिलाकर सभी बिंदुओं पर जांच कर ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकता है। इधर पुलिस ने शव को घटनास्थल से अपने कब्जे में ले लिया है। निस्पम के अनुसार 72 घंटे तक इसे सुरक्षित रखा जाएगा और उसके बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

हिंदी पखवाड़े का समापन, विजेताओं को मिले पुरस्कार

गोरखपुर, एजेंसी। आकाशवाणी में 14 सितंबर से 28 सितंबर तक आयोजित हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह मंगलवार को हुआ। समारोह की अध्यक्षता उपमन्त्रिस्टिक एवं वल्टरर प्रमुख राहुल सिंह ने की। इस दौरान केंद्र के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह का संचालन सबयक निदेशक विनोद कुमार मिश्र ने किया। पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विनोद कुमार मिश्र ने अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। अंत में सभी का अतिरिक्त बहाना देना है। उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं की सहाजना की और पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त कर समारोह का समापन किया गया।.....

चुनावी मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था परखी, प्रोटोकॉल में लापरवाही न हो : डीएम

वाराणसी , एजेंसी। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने मंगलवार को सटर स्थित डीवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान डीवीएम और वीवीपैर मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव, सीसीटीवी, प्रवेश-निकास व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और अग्निलेखों की जांच की गई। निरीक्षण के समय भाग्या, कांजोस, बसपा, सपा, आम आदमी पार्टी और अजना दल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने डीवीएम और वीवीपैर के रख-रखाव और सुरक्षा के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्वाचन आयोग के तय मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। मशीनों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं लेनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस की प्रवेश-निकास व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशैली और सुरक्षा इंतजामों की जांच की गई। इसके साथ ही संबंधित अग्निलेखों के रख-रखाव की स्थिति भी देखी गई। डीएम ने अधिकारियों को सभी जरूरी अग्निलेख नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डीवीएम और वीवीपैर की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए। वेयर हाउस को साफ-सफाई और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाए रखा जाए।.....

1 अक्तूबर से बदल गए नियम, इन लोगों को नहीं मिलेगा सिलिंडर

आगरा , एजेंसी। रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए अनिवार्य की गई आधार ई-केवाईसी प्रक्रिया की अंतिम समयसीमा 30 सितंबर को समाप्त हो जाएगी। इसके साथ ही 1 अक्तूबर से ई-केवाईसी न कराने वाले करीब 70 हजार उपभोक्ताओं की गैस बुकिंग बंद होगी और उन्हें सिलिंडर की आपूर्ति नहीं मिल सकेगी। मिलने में तेल कंपनियों और जिला पूर्ति विभाग की ओर से बार-बार नियाद बढ़ाए जाने के बाद भी हजारों उपभोक्ताओं ने अभी तक अपना सत्यापन नहीं कराया है। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं होगी, उनके कनेक्शन अस्थायी रूप से निलंबित किए जाएंगे। इसके साथ ही ऐसे उपभोक्ताओं की एलपीजी सिलिंडर भी रोक दी जाएगी। उन्होंने कहा कि फर्जीवाड़े और बेगानी कनेक्शनों पर लगाम लगाने के लिए यह कदम उठया गया है। 30 सितंबर की समयसीमा के बाद पोर्टल स्वतः ही बिना ई-केवाईसी वाले खातों के लिए बुकिंग ब्लॉक कर देगा।.....

10 हजार फर्मों को मिली बड़ी राहत

अलीगढ़ , एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय एवं केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 से संबंधित मांगलों में टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 21 अक्तूबर कर दी है। ऑडिट रिपोर्ट के अधीन आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है। इस फैसले से अलीगढ़ आयकर रेंज के चार जनपदों में कार्यरत 10 हजार फर्मों को बड़ी राहत मिली है। इसमें अलीगढ़, फर्रुखाबाद, मैनपुरी और कन्नौज शामिल हैं।इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एन सीए अनुर कुमार सिंह ने बताया कि विभिन्न चार्टर्ड अकाउंटेंट संगठनों की ओर से लगातार इसकी मांग की जा रही थी। इस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट ने वाद भी दायर किया गया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह राहत दी गई है। समय सीमा बढ़ने का लाभ स्थानीय व्यापारियों, उद्यमियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को मिलेगा। सीए आयुक्त वाष्पणीय ने कहा कि अग्रीह बढ़ने से करदाताओं को ऑडिट रिपोर्ट और रिटर्न समय पर दाखिल करने में सुविधा होगी। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को भी पर्याप्त अवसर मिलेगा। अलीगढ़ आयकर रेंज में अलीगढ़, फर्रुखाबाद, मैनपुरी और कन्नौज सहित चार जनपद शामिल हैं।.....

रेडीमेड कपड़ों के मॉल में गौश्रण आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

कानपुर , एजेंसी। हरदोई जिले के बिरामवा नगर में मंगलवार रात से रेडीमेड कपड़ों के मॉल में गौश्रण आग लग गई। नगर के मुख्य सड़क बाजार में नगर पालिका कार्यालय के पास स्थित रेडीमेड कपड़ों के मॉल में देर रात अचानक गौश्रण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे आसपास अफ़रा-तफ़री मच गई। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया। मॉल के संचालक नगर के पुराने व्यापारियों ने बताए जा रहे हैं। आग से हनु नुकसान और कारणा का फिलहाल कोई स्पष्ट आकलन नहीं हो सका है। प्रत्यक्षदर्शियों और फायर टीम के मुताबिक करोड़ों के नुकसान का अनुमान है।.....

उत्तर प्रदेश

10 फीट हवा में उछली एसयूवी, एयरबैग खुलने पर भी न बची जान

आगरा, एजेंसी। लगातार ड्राइविंग से आई झपकी के बाद स्कॉर्पियो-एन डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में जा घुसी और एक्सयूवी से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर में एक्सयूवी करीब 10 फीट हवा में उछलकर कई बार पलटी, जबकि हादसे की जांच के लिए संयुक्त तकनीकी समिति क्रैश टेस्ट करेगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक भीषण सड़क हादसे में दो परिवारों को गहरा सस्मा लगा है। लगातार यात्रा की थकान और एक झपकी के कारण हुए इस हादसे में 2019 बैच के आईएफएस अधिकारी व इटावा के डीएफओ विकास नायक की दो बेटियां अनाथ हो गईं तो चालक देवांश की ढाई साल की मासूम बेटी के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया।

कानपुर में वन विभाग की ट्रेनिंग अकादमी में तैनात रेंजर उपासना सिंह की मां केशवती (64) भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई हैं। मंगलवार सुबह वह श्राद्ध में शामिल होने के लिए एक्सयूवी टैक्सी से वसुंधरा (गाजियाबाद) के लिए निकली

धर्मनगरियों का मर्म नहीं समझा तो यूपी और भारत को नहीं जान पाएंगे : योगी

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सनातन धर्मनगरियों की पहचान और उनके मर्म को समझे बिना प्रदेश और भारत को नहीं समझा जा सकता। अयोध्या की मर्यादा, काशी की चेतना, मथुरा-वृंदावन की भक्ति और प्रयागराज की सामाजिक समरसता भारत की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि सनातन भारत का मूल धर्म है और इसके बिना देश की कल्पना नहीं की जा सकती।

मुख्यमंत्री मंगलवार शाम गोरखनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभाभार में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि समारोह के तहत आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के विराम सत्र को संबोधित कर रहे थे। कथा श्रवण के बाद उन्होंने कहा कि भारत के पास प्राचीन कां्रण से ही समृद्ध और सुदृढ़ परंपरा रही है, लेकिन अपनी विरासत को भूलना हमारी कमी रही। मुख्यमंत्री ने सनातन परंपरा में गोमाता की प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए कहा कि हर सनातनी को गोवंश संरक्षण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि



थीं। उनका सफर आखिरी सफर बन जाएगा, यह किसी ने नहीं सोचा था।

सिरसागंज डिट्टी एसपी चंचल त्यागी ने बताया कि चश्मदोदों ने बताया है कि हादसे में एक्सयूवी के कई पलटें खाने के कारण उसमें सवार लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए। विकास नायक जिस सीट पर बैठे थे, उसका एयरबैग भी खुला था।

उपासना और विकास नायक पूर्व में फिरोजाबाद में साथ तैनात रह चुके थे। इसी

जाएगा।

10 फीट हवा में उछली कार, एयरबैग भी हुए नाकाम : कोलकाता निवासी 61 वर्षीय डेविड ब्रायन डिसूजा अपनी पत्नी ममता शर्मा के साथ उत्तर भारत की तीर्थयात्रा पर निकले थे। उत्तराखंड, दिल्ली, वृंदावन और आगरा में रुकने के बाद वह स्कॉर्पियो-एन से लखनऊ जा रहे थे। लगातार गाड़ी चलाने से हुई थकान से नाला खंगर के पास डेविड को झपकी आ गई, जिससे बेकाबू स्कॉर्पियो डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में एक्सयूवी से जा भिड़ी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि एक्सयूवी करीब 10 फीट हवा में उछलकर कई बार पलटी। स्कॉर्पियो भी 5 से 7 फीट उछलकर सीधे पहिया पर खड़ी हो गई, जिससे डेविड और उनकी पत्नी की जान बच गई। एक्सयूवी की हालत इतनी खराब थी कि घायलों और शवों को छत और खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर निकालना पड़ा। डिट्टी एसपी सिरसागंज चंचल त्यागी के मुताबिक, विकास नायक जिस सीट पर बैठे थे, उसका

नामी कंपनियों की दवा भी शामिल, 33 बोरे जब्त; एक युवक पकड़ा

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के धनौली में मंगलवार को मदर आरडी स्कूल के पास आबादी के बीच स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में संदिग्ध दवाएं बरामद होने से खलबली मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दवाओं का भंडारण एक घर में किया जा रहा था और इसके लिए लाइसेंस नहीं होने की बात सामने आई है।

सूचना पर पहुंची खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की आगरा, फिरोजाबाद और हाथरस की संयुक्त टीम ने दवाओं के स्टॉक की जांच और आकलन शुरू कर दिया, यह गोदाम टीन शेड के 10 बाई 12 के कमरे में संचालित हो रहा था। गोदाम में बड़ी संख्या में दवाएं मिली हैं। विभागीय टीम के अनुसार, बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। मंगलवार को सुबह से देर शाम तक टीम दवाओं के स्टॉक, बैच नंबर, वैधता, स्रोत और गुणवत्ता समेत अन्य बिंदुओं की जांच में जुटी रही। मौके पर मौजूद औषधि निरीक्षक नीलेश शर्मा ने बताया कि गोदाम से अलेग्ना-एम,जानूमेट, रोसूवास-20,रोसूवास-40,एमआईरिल-वन और कैटरोल, लोसर एच



समेत करीब सात-आठ प्रकार की दवाएं मिली हैं।मौके से एक युवक को पकड़ा गया है,जो की दवाइयां की पैकिंग कर रहा था,पुछताछ की जा रही है।उससे यह जानकारी जुटाई जा रही है कि दवाएं कहां से लाई गई थीं और इस भंडारण से कौन-कौन लोग जुड़े हैं। मौके से करीब 33 बोरे दवा जप्त कर ली हैं, औषधि विभाग की तरफ से एक आरोपी को पकड़ा गया है जिससे पुलिस और विभाग के अधिकारी पुछताछ कर रहे हैं कि आखिर यह दवाइयां कहां से आईं,और अन्य गोदाम कहां पर हैं, इस पूरे मामले में कौन-कौन लोग शामिल हैं। एफएसडीए की टीम गोदाम में रखी दवाओं के पूरे स्टॉक का आकलन कर रही है। जांच

अब हरदोई मेजी गईं एंटी रैबीज वैक्सीन गायब, न्यू आरजे एजेंसीज से भेजे गए थे 30 वॉयल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में न्यू आरजे एजेंसीज से आगरा भेजी गए नकली एंटी रैबीज वैक्सीन के 500 वॉयल अभी तक ड्रा विभाग को मिल नहीं पाए हैं। इसी एजेंसी से हरदोई भेजी गए 30 वॉयल भी अब गायब हो गए हैं। अफसर इन्हें तलाशने में जुटे हैं। ड्रा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध और नकली पाई गई वैक्सीन के बैच की खेप हरदोई भेजे जाने की सूचना मिली थी।

इसके बाद जब स्थानीय स्तर पर खोजबीन शुरू की गई, तो आपूर्ति का कोई सुराग नहीं मिला। मामले की सूचना हरदोई के ड्रा इंस्पेक्टर को दी गई है। अब हरदोई में भी वैक्सीन के गायब होने से इस बात की आशंका गहरी हो गई है कि फर्जीवाड़े का यह नेटवर्क सिर्फ एक-दो शहरों तक सीमित



नहीं है, बल्कि इसके तार प्रदेश के कई जिलों से जुड़े हो सकते हैं। ड्रा विभाग अब पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि क्या हरदोई भेजे गए वॉयल को भी कागजों पर फर्जी बिलिंग के जरिये गायब दिखाया गया है या फिर इसे बाजार में खपा दिया गया है। सहायक आयुक्त गोविंद गुप्ता ने बताया कि हरदोई भेजी गई वैक्सीन भी गायब है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई है और हरदोई के ड्रा विभाग को भी सूचित किया है।



निवासी वादी सत्यप्रकाश का गाटा संख्या 142 की कृषि भूमि पर स्थान आदेश (स्टे) पाने के लिए

आयुक्त कोर्ट में वाद चल रहा था

सुनवाई के दौरान पीठासीन अधिकारी ने पत्रावली आदेश के लिए सुरक्षित (रिजर्व) रखी थी। हालांकि, आधिकारिक पीठ द्वारा कोई निर्णय सुनाए जाने से पूर्व

ही विपक्षी रामपाल के पक्ष में बेदखली की कार्रवाई रोकने संबंधी अंतरिम आदेश जारी हो गया।

यह दो मामले उदाहरण भर हैं यह बताने के लिए कि आयुक्त कार्यालय की अदालतों में न्यायिक गरिमा से किस तरह खिलवाड़ हो रहा है। मुकदमों से जुड़े वादी-प्रतिवादी न्याय पाने की उम्मीद में वर्षों तक चक्कर काटते

हैं लेकिन पीठ की मंजूरी के बिना ही फैसलों का सौदा पदों के पीछे हो रहा है।

मैनपुरी से जुड़े कम से कम चार मामलों में पीठासीन अधिकारी की मंजूरी के बिना ही प्रकरणों में आदेश जारी हो गए। इन सभी मामलों में प्रधान सहायक/रीडर, न्यायालय अपर आयुक्त रहे राजेंद्र कुमार और दो कर्मचारियों राम कुमार एवं शैलेंद्र की भूमिका सवालों के घेरे में आ गई है। कुछ मामलों में पीठासीन अधिकारी के छुट्टी पर होने का लाभ उठाकर रीडर ने कोर्ट के कर्मचारी के साथ मिलकर विपक्षी पक्षकार से सांठागांठ की।

फर्जी पत्रावली तैयार की और डिजिटल हस्ताक्षर/आईडी का गलत इस्तेमाल कर अवैध आदेश पारित कर फर्जी फैसला पोर्टल पर चढ़ा दिया। आदेश जारी होने में धांधली का पता चलने पर आला अधिकारियों ने आरोपी रीडर व अन्य कर्मचारियों की सिर्फ सीट ही बदली है।

जिम्मेदार खेल रहे जांच-जांच

बड़े पैमाने पर आदेश जारी करने में धांधली के गोरखबंधे का पता चलने के बाद भी अफसर जांच-जांच खेल रहे हैं। मार्च में कागजों में आरोपी कर्मियों को नोटिस जारी कर आरोप पत्र (चार्जशीट) दिया गया। सभी प्रकरणों में पेश होने वाले एक ही अधिकाता से बयान लिए गए। हालांकि विभागीय जांच पांच महीने बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। वहीं, पीड़ित न्याय पाने और उनके साथ हुए अन्याय को करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अफसरों से लेकर पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। आगरा मंडल मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने बताया कि कोर्ट के आदेश जारी करने में गड़बड़ी की शिकायतें मिलीं थीं। इनकी विभागीय जांच कराई जा रही है। जांच में कुछ कमियां मिली हैं, इसलिए अनुरूपक जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद जो भी कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर बड़ा एक्शन, 634 चालान कटे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में सड़क किनारे अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ उत्तरी



रेंज ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को नगर निगम के साथ मिलकर बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़े करने वाले 634 लोगों के चालान किए गए। साथ ही 192 रेहड़ी-पटरी हटाने के अलावा 37 अतिक्रमण साफ कराए गए। कार्रवाई के दौरान 24 वाहनो को टो किया गया, जबकि पांच वाहन जब्त किए गए। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने उन इलाकों में कार्रवाई की, जहां सड़क किनारे सामान रखकर, रेहड़ी-पटरी लगाकर या वाहनो को गलत तरीके से खड़ा कर सड़क को घेरा जा रहा था। इससे वाहनो की आवाजाही के साथ पैदल यात्रियों को भी परेशानी हो रही थी। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने सड़क पर कब्जे के लिए इस्तेमाल किए जा रहे आट टैले, तीन डिस्के बोर्ड, तीन टेबल और तीन काउंटर भी जब्त किए।

एमसीडी इलाके में कूड़े के ढेर और टूटी नालियां बनीं बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली को एक बार स्वच्छता के लिए आदर्श शहर बनाने की घोषणा हुई



है। इसमें लूटियंस दिल्ली यानि एनडीएमसी और छावनी यानि दिल्ली कैंट इलाके साथ ही एमसीडी इलाके को भी ध्यानित किया है। लेकिन, यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण होगा। क्योंकि एनडीएमसी और दिल्ली कैंट को छोड़ दें तो एमसीडी का इलाका आदर्श स्वच्छ शहर कैसे बनेगा जब यह शहर ही स्वच्छ बनने के लिए चुनौतियों से जूझ रहा है। अनियोजित कालोनियों में बढ़ती आबादी, टूटी नालियां, खराब पड़े सार्वजनिक शौचालय दिल्ली की स्वच्छता की बानगी की कहानी बता रहे हैं। यह हाल तो तब है जब इसी दिल्ली से स्वच्छता अभियान की घोषणा हुई। पर आजतक दिल्ली के ज्यादातर इलाके स्वच्छ होने के लिए जूझ रहे हैं। सड़क और चौराहों पर सड़क किनारे लगे कूड़े के ढेर तो आसानी से मिल ही जाएंगी। वहीं, जहां-तहां लोगों द्वारा कूड़ा फैकने की आदत में भी कोई खास सुधार नहीं हो रहा है। जिसको हर वर्ष होने वाला स्वच्छ सर्वेक्षण भी साबित कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का सबसे बड़ा निकाय एमसीडी क्षेत्र हैं लेकिन स्वच्छ रैकिंग में एमसीडी का प्रदर्शन पहले या दूसरे स्थान पर होना तो दूर शीर्ष दस तक में एमसीडी का नाम नहीं आया है। हालांकि एनडीएमसी और दिल्ली कैंट ने तो यह मुकाम हासिल किया है। जबकि एमसीडी की हालत में कोई खास सुधार नहीं होता है। रैकिंग की बात करें वर्ष 2023 में एमसीडी को 446 में से 90 वां स्थान आया था और 2024 में 40 में से 31 वां स्थान आया था। यह हाल तब है कि सालाना एमसीडी सफाई को लेकर कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन और मशीनरी के नाम पर पांच हजार करोड़ के करीब खर्च करती हैं। यहां पर जीरो वेस्ट कालोनियां की संख्या भी एक हजार नहीं पहुंच पाई है। बल्क वेस्ट जेनेरेटर का पंजीकरण ही हो रहा है। अभी भी 250 में से 50 वाई भी आदर्श वाई नहीं बन पाए हैं। जहां पर स्रोत पर ही गिला और सूखा कचरा निस्तारित हो रहा हो। एमसीडी द्वारा सफाई के लिए तैनात कर्मचारियों द्वारा प्रभावी रूप से काम न करना कूड़ा उठाने वाली एजेंसियों द्वारा घर-घर से कूड़ा उठाने के मामले में लापरवाही सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव के लिए बेहतर व्यवस्था न बनाना सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के प्रतिबंध पर भी केवल खानापूर्ति होना।

चार महीने रोक दो लकड़ी से अंतिम संस्कार, गाड़ियों के धुएं से घुटती दिल्ली पर भाजपा पार्षद का गजब प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण खराब होने वाली स्थिति को लेकर पार्षदों ने नियमों पर जमीनी स्तर पर सख्ती की मांग की है। साथ ही वायु प्रदूषण को कम करने के लिए शवदाह गृह में लकड़ी के उपयोग पर चार माह के लिए प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही अवैध निर्माण, गंदगी और पानी से छिड़काव के मामले में गंभीरता से कार्य करने की मांग की है। एमसीडी की सदन की बैठक में उप महापौर मोनिका पंत ने बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान वायु प्रदूषण को लेकर अल्पकालिक चर्चा हुई। जहां भाजपा पार्षद राजपाल सिंह ने मांग की अगले चार माह तक वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लकड़ी से अंतिम संस्कार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।



बिजली आधारित अंतिम संस्कार को 100 टन लकड़ी प्रतिदिन बचेगी। साथ ही प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि

उन्होंने कहा कि लकड़ी के स्थान पर प्रतिदिन लकड़ी से होते हैं। ऐसे में एक

दिल्ली-पी बॉर्डर पर खत्म होगा जाम लोनी गोलचक्कर से रोज गुजरने वाले 1.5 लाख यात्रियों को राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। लोनी गोलचक्कर जाम का बड़ा हाटस्पॉट है। लोनी रोड पर बना यह गोलचक्कर दिल्ली को उत्तर प्रदेश से जोड़ता है। यहां करीब एक दिन में डेढ़ लाख वाहनों का आवागमन होता है। लोगों को जाम के झाम से छुटकारा दिलाने के लिए दिल्ली सरकार 56 करोड़ रुपये की लागत से गोलचक्कर पर अंडरपास बना रही है। पीडब्ल्यूडी करीब डेढ़ साल में अंडरपास का निर्माण कार्य पूरा करेगा। 56 करोड़ से बनेगा अंडरपास मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने निर्माण कार्य का ऑनलाइन शिलान्यास किया। लोनी गोचक्कर पर भी एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मुख्य रूप से डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट, जिला विकास समिति चेयरमैन जितेंद्र महाजन, भाजपा नेता डॉ. अनिल गुप्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे। लोनी रोड यमुनापार के मुख्य मार्ग में शामिल है, जो दिल्ली को उत्तर प्रदेश से जोड़ता है। गोलचक्कर पर चार तरफ का ट्रैफिक होने की वजह से जाम लगा रहता है। यहां के लोग पिछले कई वर्षों से जाम से निजात की मांग कर रहे हैं। अब जाकर सरकार ने वाहन चालकों व स्थानीय लोगों की मांग सुनी है। डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट ने

कहा कि दिल्ली सरकार वह फैसले ले रही है, जो जनता के हित से जुड़े हुए



हैं। वर्षों से वाहन चालक लोनी गोलचक्कर पर जाम का सामना कर रहे हैं। सरकार ने उनके दर्द को समझा और अब उसका समाधान अंडरपास के जरिये दिया जा रहा है। जिला विकास समिति चेयरमैन जितेंद्र महाजन ने कहा कि जाम की वजह से लोगों का समय व हजारों रुपये का इंधन जाम में बर्बाद होता है। वह दिल्ली विधानसभा में कई बार यहां की समस्या को उठा चुके हैं। सरकार

ने लोगों की पीढ़ा को समझा। अंडरपास बनने के बाद जाम खत्म हो

डीएनए रिपोर्ट बनी सबसे बड़ा सबूत, दिल्ली बस गैंगरेप केस में चार्जशीट दाखिल; ड्राइवर-कंडक्टर पर शिकंजा कसा

नई दिल्ली, एजेंसी। 4 अगस्त को निजी स्लीपर बस में 16 वर्षीय किशोरी के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले की जांच में साक्ष्य अहम कड़ी साबित हुआ। पुलिस जांच के दौरान किशोरी के कपड़ों और बस की सीटों से मिले जैविक नमूनों और बालों समेत अन्य फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर बस चालक कुलदीप और कंडक्टर संदीप को मामले से जोड़ने में मदद मिली।

दिल्ली पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 6 समेत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र में नाबालिग को गलत तरीके से बंधक बनाने और अपहरण से संबंधित प्रावधान भी लागू आए हैं।

398 पन्नों की चार्जशीट 18 सितंबर को दाखिल की गई और 24 सितंबर को अदालत ने मामले का सज़ान लिया। पुलिस के मुताबिक, चार्जशीट घटना के 48 दिनों के भीतर दाखिल की गई है और इसमें 50 गवाहों को शामिल किया गया है।

जांच के दौरान पुलिस ने बस से कई नमूने जुटाए। इनमें सीटों, स्टीयरिंग व्हील, चालक दल की

सीट के पास रखे कंबल और बस के गलियारे में बिछी बेडशीट से



लिए गए नमूने शामिल थे। आरोपितों के घटना के समय पहने कपड़े भी जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए थे।

पुलिस और फिंगरप्रिंट जैसे वैज्ञानिक साक्ष्यों को मामले में महत्वपूर्ण मान रही थी। जांच में बस के भीतर मौजूदगी की पुष्टि के लिए फोरेंसिक साक्ष्यों का इस्तेमाल किया गया।

मैनपुरी की रहने वाली किशोरी घर से निकलने के बाद नोएडा पहुंची थी। वह सेक्टर-63 जाने के लिए परी चौक के आसपास बस का इंतजार कर रही थी। आरोप है कि कंडक्टर संदीप ने उसे बस में बैठाया और इसके बाद चलती स्लीपर बस में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। जांच के

अनुसार, बस नोएडा से दिल्ली की ओर बढ़ती रही और किशोरी

को बाद में कश्मीरी गेट के पास छोड़ दिया गया। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया और बस को जब्त कर लिया था। चार्जशीट से सामने आए जांच संबंधी तथ्यों में बस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि बस पर 11 ट्रैफिक चालान लंबित थे। बस का कैमरा काम नहीं कर रहा था और खिड़कियों पर भारी पर्दे लगे थे, जिससे अंदर की गतिविधियां बाहर से दिखाई देना मुश्किल हो सकता था। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपितों को बस पर काम करने के लिए नियुक्त करते समय कथित तौर पर उचित सत्यापन नहीं किया गया था।

एफबीआई के हजारों कर्मियों का निजी डाटा चोरी: एजेंटों की सुरक्षा पर भी मंडराया खतरा; कैसे लगी इतनी बड़ी सेंध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के हजारों मौजूदा व पूर्व कर्मियों का संवेदनशील निजी डाटा चोरी होना अमेरिकी इतिहास में सबसे गंभीर डाटा चोरी है। साइबर अपराधी समूह शाइनीहंटर्स ने इसे डाटा एजेंसी के नौकरी पोर्टल से चुराया और ऑनलाइन लीक करने की धमकी भी दी थी। इस हमले में हजारों कर्मियों के डाटा चोरी के साथ एजेंटों की जान को भी खतरा बताया जा रहा है। डाटा चोरी में मौजूदा और पूर्व कर्मियों के नाम, घर के पते, फोन नंबर, दफ्तरी ईमेल, सोशल सिक्वोरिटी नंबर, जन्मतिथि और नौकरी में शामिल होने की तारीख जीवनसाथी के नाम-नंबर के अलावा और भी बहुत सी जानकारी ट्रैक हुई हैं। हजारों कर्मचारियों के चोरी हुए डाटा में नशीले पदार्थ और रूस-चीन-ईरान से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा डेस्क जैसी बेहद संवेदनशील जानकारीयां भी उजागर हुई हैं। अब अमेरिकी विशेषज्ञों को चिंता है क शाइनीहंटर्स खुद डाटा सार्वजनिक करने की बजाय इसे दूसरे अपराधी या किसी देश को बेच सकते हैं। ब्रिटेन की साइबर सुरक्षा एजेंसी के पूर्व प्रमुख सिरन मार्टिन के अनुसार इस सेंध का एफबीआई की परिचालन-क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। यह एक दशक पहले हुई अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय की सेंध से भी बदतर है, जिसमें चीन ने दो करोड़ से अधिक रिकॉर्ड चुराए थे। बदला था मकसद शाइनीहंटर्स के अनुसार उन्होंने एफबीआई पर इसलिए हमला किया क्योंकि उसे बदला लेना था। दरअसल, एफबीआई ने वसंत में चेतावनी जारी की थी कि शाइनीहंटर्स समूह पीड़ितों को धमकाकर परेशान करता है। हैकरों ने मांग की थी कि एफबीआई उस चेतावनी को हटाए।

एआई की मनमानी पर लगेगा ब्रेक: ट्रंप के साथ टेक दिग्गजों ने किया मंथन, कितने स्तर पर होगी सुरक्षा निगरानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के मुख्य अधिकारियों ने मंगलवार को एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, वे अत्याधुनिक कंप्यूटिंग मॉडल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चार स्तरों वाले कंट्रोल और ऑडिट का एक व्यापक ढांचा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही भविष्य में इसे कानून का रूप देने की संभावना भी खुली रखी गई है। वहीं, इस पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं जबरदस्त सेल्फ-पुलिसिंग (खुद पर नजर रखने की प्रक्रिया) देख रहा हूं। और वे समझते हैं कि उन्हें खुद पर नजर रखनी होगी।'

'फ्रंटियर जिम्मेदारियों पर संयुक्त प्रतिबद्धता' नाम का यह दस्तावेज व्हाइट हाउस में हुई एक हाई-लेवल समिट के बाद जारी किया गया। यह समिट प्रशासन की ओर से औपचारिक रूप से सुपर इंटील्लिजेंस नाम दिए गए विषय पर बुलाई गई थी। यह समिट टेक कंपनियों के प्रमुखों के उन मुद्दों के बाद हुई जिनमें उन्होंने फ्रंटियर एआई के विकास की गति धीमी करने या नियंत्रण खोने के जोखिम की बात कही थी।



इस समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ प्रमुख टेक डेवलपर्स के प्रमुखों के भी निजी हस्ताक्षर हैं। इसमें गूगल के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, ओपनएआई के ग्रेग ब्रॉकमैन, एक्सएआई के एलन मस्क और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंगा।

संयुक्त घोषणा में कहा गया है, 'अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य

बनाने के लिए हमारा मानना ​​है कि हर कंपनी की यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी टेक्नोलॉजी को सुरक्षित तरीके से विकसित करे। ऐसा करे जिससे ग्राहकों और आम जनता का भरोसा बढ़े।' इसके साथ ही, इसमें यह भी कहा गया है कि जो कंपनियां 'फ्रंटियर मॉडल' (अत्याधुनिक मॉडल) को ट्रेन और डिप्लॉय (लागू) कर रही हैं, उन्हें समस्याओं को तुरंत सुलझाने के लिए मजबूत प्रक्रियाएं अपनानी होंगी।

अमेरिका से तीसरे देशों में भेजे जा सकेंगे प्रवासी: ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट से राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को फिलहाल लोगों को उनके अपने देश के बजाय दूसरे देशों में भेजने की अनुमति दे दी। हालांकि, कोर्ट इस मामले पर विचार कर रहा है। कोर्ट को यह तय करना है कि यह नीति कानूनी है या नहीं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में दलीलें सुनगा। सवाल यह है कि क्या प्रवासियों को ऐसे देशों में भेजने से पहले अपनी आपति रखने का उचित मौका मिलना चाहिए, जिनसे उनका कोई संबंध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से निचली अदालत का फैसला फिलहाल रुक गया है। संघीय सरकार के वकीलों ने कहा कि निचली अदालत के फैसले के कारण एक निर्वासन उड़ान रद्द करनी पड़ी थी। इस उड़ान में करीब 70 लोगों को तीन देशों में भेजा जाना था। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ऐसी निर्वासन उड़ानों को अस्थायी रूप से जारी रखने की अनुमति दे चुका है। गये उड़ानें ट्रंप प्रशासन की प्रमुख नीतियों में शामिल हैं। यह मामला पिछले साल भी सुप्रीम कोर्ट के सामने आया था। ट्रंप प्रशासन ने कई ऐसे समझौतों के तहत लोगों को तीसरे देशों में भेजा है। इनमें से कई समझौते गोपनीय रखे गए हैं। प्रशासन अब तक करीब 25 हजार लोगों को दो दर्जन से ज्यादा देशों में भेज चुका है। इनमें लाइबेरिया और गुयाना भी शामिल हैं। हालांकि, इनमें से ज्यादातर लोगों को मैक्सिको भेजा गया है। ट्रंप प्रशासन कहता है कि जिन लोगों के खिलाफ निर्वासन का अंतिम आदेश है, उन्हें तीसरे देशों में भेजा जाता है। ऐसा तब किया जाता है, जब उन्हें उनके अपने देश वापस भेजना संभव नहीं होता। यह भी स्थिति हो सकती है कि उनका अपना देश उन्हें वापस लेने से इनकार कर दे। इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ अपराधिक मामलों में दोषसिद्धि हो चुकी है। संघीय सरकार के वकीलों के अनुसार, तीसरे देशों की सरकारें यह भरोसा दिलाती हैं कि वहां भेजे गए लोगों को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। उन्हें यातना भी नहीं दी जाएगी। लेकिन कुछ प्रवासियों के साथ अलग स्थिति सामने आई है। कुछ लोग ऐसे देशों में जेल पहुंच गए, जिनके बारे में उन्होंने वहां पहुंचने से पहले कभी सुना तक नहीं था।

बच्चों की पढ़ाई सुधारने का क्या है आसान फॉर्मूला: विशेषज्ञों ने बताए 30 उपाय, छोटे समूह पर जोर

वाशिंगटन, एजेंसी। बच्चों के गणित के बुनियादी सवाल हल करने या सही तरीके से किताबें पढ़ने की क्षमता में गिरावट एक बड़ी चिंता का विषय है। अमेरिका में हाल यह है कि पिछले एक दशक में 83% जिला स्कूलों (शिक्षा व्यवस्था संचालने वाली इकाई) में ऐसे छात्रों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है, जो न तो सही उच्चारण कर पाते हैं और न गणित के साधारण सवाल सुलझा पाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए 37 दिग्गज विशेषज्ञों ने 30 उपाय सुझाए हैं। इसमें बच्चों को छोटे समूह में पढ़ाने और वैज्ञानिक तरीके यानी उच्चारण व संदर्भ को सही ढंग से समझाने को सबसे कारगर बताया गया है। शीर्ष शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों से प्रमुख नीतिगत विचारों के प्रभाव और लागत का 1 से 7 के पैमाने के आधार पर मूल्यांकन कराने का निष्कर्ष बताया है कि अरबों डॉलर के राजनीतिक वादों की तुलना में



जमीनी और व्यावहारिक कदम शिक्षा सुधार में सबसे अच्छा साबित हो रहे हैं। शिक्षाविदों के फॉर्मूले के आधार पर कमजोर बच्चों को 3-4 के समूह में पढ़ाना सबसे प्रभावी उपाय है। मिसौसिपी राज्य ने पढ़ने-सीखने के विज्ञान और स्कूलों की कड़ी जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण पाठ्यक्रम को सखी से लागू किया। नतीजा यह रहा कि कभी देश में सबसे निचले पायदान पर रहने वाला यह

राज्य आज राष्ट्रीय रैंकिंग में लगातार लंबी छलांग लगा रहा है। विशेषज्ञों ने इस पर जोर दिया कि सभी शिक्षकों का वेतन एकमुश्त बढ़ाने के बजाय, उन योग्य और बेहतरीन टीचर्स को विशेष बोनस और अतिरिक्त वेतन दिया जाए जो सबसे गरीब और पिछड़े स्कूलों में जाकर पढ़ाने का बोझ उठाते हैं। विशेषज्ञों की नजर में स्मार्टफोन-मुक्त क्लासरूम कम लागत में सबसे बड़ा और त्वरित बदलाव लाने वाला उपाय है। क्लासरूम में फोन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने से बच्चों का ध्यान भटकना बंद होता है। इससे न केवल बच्चों के टेस्ट स्कोर सुधरे, बल्कि साइबर बुलिंग और अकेलेपन की भावना में कमी आई है। विशेषज्ञ कहते हैं कि तकनीक का उपयोग पढ़ाई के लिए हो सकता है, लेकिन पर्सनल स्मार्टफोन क्लास में सीखने की प्रक्रिया का सबसे बड़ा दुश्मन है। कक्षाओं में केवल मुफ्त लैपटॉप या टैबलेट बांट देने से पढ़ाई का स्तर नहीं सुधरता।

संपादकीय

पीएम ने भी जेन-जी की शैली अपनाई!

भाजपा ने शायद एक नया राजनीतिक मंत्र खोज लिया है: अगर समय को नहीं बदल सकते, तो प्लेलिस्ट ही बदल डालिए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में दिल्ली में आरएसएस द्वारा दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर आयोजित युवाओं से भरी भजन-सभा में उपस्थित मात्र एक धार्मिक आयोजन से कहीं अधिक थी. युवा भजन प्रेमियों के बीच बैठे प्रधानमंत्री भी भजन में शामिल हो गए.

दृश्य स्पष्ट था - मोदी अपने सामान्य राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि उस पीढ़ी से घिरे हुए थे जिसने उन्हें केवल उन वरिष्ठ नेताओं से घिरे प्रधानमंत्री के रूप में देखा है जो हर समय राष्ट्र को उपदेश देते रहते हैं. और इस जेन-जी पहुंच की अपनी एक साउंडट्रैक भी है. वडोदरा में एक युवा कार्यक्रम के दौरान मोदी की नाटकीय एंट्री हुई और

पृष्ठभूमि में क्वीन का 'वी विल रॉक यू' बज रहा था. साफ है कि 'भाजपा पारंपरिक राजनीतिक शब्दावली से आगे बढ़कर भी प्रयोग कर रही है. भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस कवायद को एक कदम और आगे बढ़ाया. उन्होंने हाल में 44 युवा नेताओं और मंत्रियों के साथ चार घंटे का विचार-मंथन सत्र किया, जिसमें छात्रों और युवाओं से जुड़ने के तरीकों पर चर्चा हुई. इसमें भाजयुमो प्रमुख हेमंत जोशी और पूर्व अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या, पूनम महाजन और अनुराग ठाकुर के अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिया कुमारी भी शामिल थीं. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को युवा नेताओं से मिल रहे सुझावों को ध्यान से नोट करते देखा गया.

दिलचस्प यह कि एक शब्द को सख्ती से चर्चा से बाहर रखा गया- 'जेन-जी'. इसके



बजाय 'छात्र' और 'युवा' जैसे शब्दों को प्राथमिकता दी गई. शायद भाजपा भी जानती है कि कभी-कभी जेन-जी को लुभाने का सबसे सुरक्षित तरीका यही है कि उसे जेन-जी न कहा जाए. कांग्रेस के भीतर इन दिनों यह चर्चा तेज है कि प्रियंका गांधी वाड़ा को जल्द ही पार्टी संगठन में

बड़ी और अधिक स्पष्ट भूमिका सौंपी जा सकती है. अटकलों को तब और बल मिला जब उन्होंने हाल ही में राहुल गांधी के साथ एआईसीसी सचिवों के साथ हुई बैठकों में हिस्सा लिया. इन बैठकों में सचिवों के कामकाज की समीक्षा के साथ-साथ पार्टी के जमीनी

फ़ीडबैक तंत्र का आकलन किया गया. आमतौर पर ऐसी संगठनात्मक समीक्षा राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मिलकर करते रहे हैं. ऐसे में इस बार प्रियंका की भागीदारी ने पार्टी के भीतर चर्चाओं को हवा दे दी है. राहुल और प्रियंका ने पदाधिकारियों से संगठन से जुड़े अहम

मुद्दों पर विस्तृत फ़ीडबैक लिया, खासकर इस बात पर कि जमीनी स्तर से सूचनाओं का प्रवाह कैसे तेज किया जाए. और पार्टी की प्रतिक्रिया प्रणाली को कैसे बेहतर बनाया जाए. प्रियंका लगभग चार वर्षों से एआईसीसी की महासचिव हैं, लेकिन उनके पास कोई विशिष्ट विभाग नहीं है. उनकी आखिरी बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी 2022 में उत्तर प्रदेश की थी. यह नया रहस्य 5 सितंबर को हुए एआईसीसी महासचिवों के फेरबदल के बाद और गहरा गया.

इस फेरबदल में सभी महासचिवों को जिम्मेदारियां बांट दी गईं - सिवाय प्रियंका गांधी और मुकुल वासनिक के. वासनिक को गुजरात का प्रभार गंवाने के बाद भी बिना किसी विभाग के बरकरार रखा गया है. दो रिक्त पदों के कारण यह अटकलें तेज हो गई हैं कि प्रियंका के लिए कुछ

अधिक सुनियोजित भूमिका तैयार की जा रही है. वह पिछले कुछ समय से पदों के पीछे रणनीतिकार और संकटमोचक के तौर पर काम करती रही हैं. पार्टी के गलियारों में चर्चा है कि लंबे समय से लंबित चुनाव प्रबंधन विभाग अगले महीने अस्तित्व में आ सकता है. प्रियंका को इसका प्रमुख और वासनिक को उप-प्रमुख या संयोजक बनाए जाने की चर्चा है. समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को आम तौर पर भारतीय राजनीति के अपेक्षाकृत समझदार नेताओं में गिना जाता है और उनके भीतर हास्य-बोध भी माना जाता है. लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनके कुछ बयान काफी अजीब नजर आए हैं. हाल ही में उन्होंने इस बात को लेकर एक अजीब सिद्धांत पेश किया कि उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपने ही परिवार के पांच सदस्यों को टिकट क्यों दिया.

भाषाओं को जोड़ने में पुल बनते हैं अनुवाद

योगेश कुमार गोयल
भाषा मनुष्य की पहचान है और अनुवाद उस पहचान को दूसरी दुनिया तक पहुंचाने वाला अदृश्य सेतु. शब्द किसी भाषा में जन्म लेते हैं लेकिन उनके भीतर इतिहास, संस्कृति, स्मृतियां, संवेदनाएं और सामाजिक अनुभव सांस लेते हैं. इसलिए अनुवाद केवल एक भाषा के शब्दों को दूसरी भाषा में रख देने की तकनीकी प्रक्रिया नहीं बल्कि अर्थ, भाव और संदर्भ को सुरक्षित रखते हुए मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने की कला है. यही कारण है कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर में भी अनुवाद की आवश्यकता कम नहीं हुई है. 30 सितंबर को मनाया जाने वाला 'अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस' इस वर्ष एक



अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न हमारे सामने रखता है कि क्या हर व्यक्ति को अपनी भाषा में समझे जाने का अधिकार है? अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ ट्रांसलेटर्स (एफआईटी) ने 2026 की थीम 'भाषाई विविधता और भाषा अधिकार' और उपशीर्षक 'समझे जाने की शक्ति' निर्धारित किया है. इस वर्ष का संदेश स्पष्ट है कि भाषाई विविधता को केवल स्वीकार करना पर्याप्त नहीं, उसे जीवित रखने के लिए अनुवाद, व्याख्या और शब्दावली सेवाओं को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाना होगा. दरअसल, 'समझे जाना' केवल संवाद की सुविधा नहीं बल्कि शिक्षा, न्याय, स्वास्थ्य, प्रशासन और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़ा अधिकार है. यदि किसी व्यक्ति को अदालत की कार्यवाही समझ में न आए, चिकित्सकीय सलाह उसकी भाषा में उपलब्ध न हो, सरकारी योजना की जानकारी उसकी भाषा में न पहुंचे अथवा आपदा के समय चेतावनी को वह समझ ही न सके तो भाषाई अंतर केवल संचार की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक असमानता में बदल जाता है. इसीलिए अनुवाद भाषा-अधिकारों का व्यावहारिक आधार बन जाता है. संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2017 में 30 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस घोषित किया था और पेशेवर अनुवाद को राष्ट्रों को जोड़ने, संवाद और समझ को बढ़ावा देने तथा विकास और शांति में योगदान देने वाला महत्वपूर्ण माध्यम माना. यह निर्णय अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि अनुवाद को लंबे समय से केवल साहित्यिक गतिविधि नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और मानवीय सहयोग की बुनियादी आवश्यकता माना जाता रहा है.

आज का कार्टून

आप को सीजेपी के आशुतोष रांका ने भी दिए 21 हजार रुपये बंदा बीजेपी के चंदे के ब्योरा सार्वजनिक करना चाहिए!

प्रधानमंत्री लगातर कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील

6

भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है।
जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है।
भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शादियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं।

प्रह्लाद सबनानी
भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरीदे अथवा कम मात्रा में खरीदे। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें। इतिहास माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजरायल हमस युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने

लगेगी। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड यील्ड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37

प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शुन्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त पार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्दाने के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी



प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शुन्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त पार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्दाने के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी

योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झुझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है। तीसरे, भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शादियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं। चौथे, भारतीय नागरिकों में स्वर्ण के प्रति आकर्षण कुछ अधिक मात्रा में ही है। यह सही है कि स्वर्ण भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता हुआ दिखाई देता है परंतु देश के विकास की दृष्टि से यह सुप्त मुद्रा के रूप में ही देखा जाता है। स्वर्ण में किए गए निवेश पर किसी भी प्रकार की आय का अर्जन नहीं होता है क्योंकि स्वर्ण में निवेश की गई राशि उत्पादक निवेश की श्रेणी में नहीं गिनी जाती है। एक अनुमान के अनुसार भारतीय परिवारों के पास लगभग 25,000 टन से अधिक का स्वर्ण भंडार मौजूद है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 125 प्रतिशत है। इतनी भारी भरकम राशि का निवेश निष्क्रिय एवं अनुत्पादक अस्तियों में होने के चलते लाखों करोड़ रुपए की राशि पर किसी प्रकार की आय का अर्जन नहीं हो रहा है। यदि इसी निवेश को उत्पादक कार्यों में लगाया जाय तो देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक गतिशील एवं प्रभावशाली बनाया जा सकता है। अतः भारत में यह लगातार प्रयास किया जा रहा है कि निवेश को अनुत्पादक अस्तियों में घटा कर उत्पादक अस्तियों में लगाया जाय। अतः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उक्त वर्णित विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत के प्रधानमंत्री, भारतीय नागरिकों से उक्त तीन आग्रह लगातार कर रहे हैं ताकि भारत की आर्थिक विकास दर को अक्षुण्न बनाए रखा जा सके, भारत में किए गए विदेशी मुद्रा के निवेश को भारत से बाहर निकलने से रोका जा सके एवं भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को और अधिक मजबूत बनाया जा सके ताकि भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में आने वाली किसी भी परेशानी से बचाया जा सके।

रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

नीरज कुमार दुबे
भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांकों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे? हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि 'शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को 'चुप' लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भवना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्कों को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि 'हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं।' हम शिव के

भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं।' उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से 'हर हर महादेव' क्यों नहीं कहते और केवल 'जय श्रीराम' का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड्डी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में 'हर हर महादेव' बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं आता। भौगोलिकसंदर्भ यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड्डी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमुलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण अयोध्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ावा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमुलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया। देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन

में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और



भगवान शिव को राजनीति के दो अलग-अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को 'अमीर बनाम गरीब' या 'उत्तर बनाम दक्षिण' की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए? वैसे रेवंत रेड्डी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर 2025 में उन्होंने हिंदू

देवी-देवताओं की संख्या और अलग-अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियों की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजक उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड्डी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार-बार निशाने पर क्यों दिखाई देती है? यहां हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं है; बल्कि उद्देश्य यह पूछना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक आस्थाओं के साथ समान मर्यादा क्यों नहीं होती चाहिए? साथ ही यहां सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को हिंदू धर्म के बारे में किताना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड्डी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शवरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की महत्व नहीं रखती। जिन राम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए सारा राजपाट छोड़कर वन की राह पकड़ ली उन्हें अमीरों का भगवान बताना बेशर्मी की परकाष्ठा है। वहीं भगवान शिव की

आराधना में भी भक्तिभाव को ही प्रमुख माना जाता है। एक और बात रेवंत रेड्डी को जाननी चाहिए कि रामचरितमानस के उत्तरकांड में भगवान राम स्वयं शिव की महिमा बताते हुए कहते हैं कि शंकर की आराधना के बिना उनकी भक्ति भी प्राप्त नहीं हो सकती। यानी जिस राम को राजनीति में 'अमीरों का भगवान' और शिव को 'गरीबों का भगवान' बताकर दो वर्गों में बांटने की कोशिश की जा रही है, उसी राम की परंपरा शिव को अपनी भक्ति का मार्ग बताती है। देखा जाये तो रेड्डी के बयान के बाद कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि क्या 'भगवानों को बांटना' उसकी नई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है? राम को अमीर और शिव को गरीब बताकर आखिर हासिल क्या होगा? उत्तर भारत को राम और दक्षिण भारत को शिव से जोड़कर क्या देश की एकता मजबूत होगी? भगवान किसी पार्टी की संपत्ति नहीं हैं। न राम भाजपा के हैं, न शिव कांग्रेस के। आस्था करोड़ों भारतीयों की निजी और सांस्कृतिक विरासत है। राजनीति को आरं धर्म से दूरी नहीं रखनी है तो कम-से-कम धर्म के प्रति मर्यादा तो रखनी ही होगी। भगवानों के नाम पर वोट मांगने की राजनीति हो या भगवानों को ही राजनीति के अखाड़े में एक-दूसरे के सामने खड़ा करने की सियासत हो, दोनों ही रूपों में आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल सवालों के कठघरे में खड़ा होता है।

संक्षिप्त

समाचार

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने जीता गोल्ड

चीनी तीरंदाजों को हराया

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारतीय दल का आर्चरी में स्वर्णिम साफर जारी है। भारतीय आर्चरी टीम ने तीसरा गोल्ड जीत लिया है। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिगल्लम थिरुमुरु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयी लियू और जिंग्यू शी को 238-237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी।



कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीता। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिगल्लम थिरुमुरु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयी लियू और जिंग्यू शी को 238-237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी।

कपिल पोखरिया को करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल से संतोष

सेमीफाइनल में मिली हार

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष मुक्केबाज कपिल पोखरिया को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। कपिल को 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान के तुरबेक खबीबुल्लाव के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में कपिल तुरबेक के सामने संघर्ष करते नजर आए



और फाइनल में जगह बनाने का उनका सपना साकार नहीं हो सका। हालांकि, वह अपने एशियन गेम्स डेब्यू में ही ब्रॉन्ज मेडल जीतने में जरूर सफल रहे। तुरबेक ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले राउंड को 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज का दबदबा देखने को मिला और वह राउंड को 4-1 से अपने नाम करने में सफल रहे।

गुलवीर ने लगाई मेडल की हैट्रिक, 5000 मीटर दौड़ में जीता ब्रॉन्ज

नागोया । गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में इतिहास रचते हुए मेडल की हैट्रिक पूरी कर ली है। भारतीय धावक ने मंगलवार को मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों की 5000 मीटर



दौड़ के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। गुलवीर ने इस रेस को 13:32.75 सेकंड में पूरा किया। बहरीन के बिरइनगु बालेव ने 13:30.79 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान के यामागुची टोमोनोरी 13:31.43 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।



श्री चरणी ने रच दिया इतिहास

आईसीसी विमेंस टी20 बॉलिंग रैंकिंग में बनाया नया रिकॉर्ड

दुबई । भारत की श्री चरणी ने आईसीसी विमेंस टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अब तक की सबसे ज्यादा रेटिंग का नया रिकॉर्ड बनाया है। एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ की स्पिनर अपने करियर के बेस्ट 817 प्वाइंट्स तक पहुंच गईं। श्री चरणी पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में 'वर्ल्ड नंबर-1' गेंदबाज हैं। अब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के (806 रेटिंग प्वाइंट्स) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिसे मेगन ने नवंबर 2018 में बनाया था। चरणी ने भारत की सफल यात्रा में अहम भूमिका निभाई और एशियन

गेम्स में अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए भारत को अपना गोल्ड मेडल बचाने में मदद की। एशिया कप 2026 में श्री चरणी ने 12 विकेट लेकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे।

श्री चरणी ने एशियन गेम्स 2026 में जापान के खिलाफ 10/4 का अपना करियर-बेस्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी। खिताबी मैच में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 13 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत ने यह मैच 147 रन से जीतकर गोल्ड मेडल जीता।



एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के विरुद्ध 6 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने 754 प्वाइंट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है, जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 723 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशियन गेम्स के फाइनल में 79 रन की पारी खेली थी, जिसके साथ उन्होंने टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की रैंकिंग में टॉप-5 में वापसी कर ली है।

दूसरी ओर, हारे में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के बीच जारी सीरीज ने वनडे फॉर्मेट में काफी बदलाव किया है। यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।

वेस्टइंडीज की ऑल-राउंडर हेली मैथ्यूज ने सीरीज के पहले मैच में 182 रनों की दमदार पारी खेली थी, जिसके बाद वह 711 प्वाइंट्स के साथ बैटिंग रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गईं। उनकी साथी रियलीना ग्रिमंड 34 पायदान ऊपर चढ़कर 270 प्वाइंट्स के साथ संयुक्त रूप से 102वें स्थान पर पहुंच गईं।

इस बीच, जिम्बाब्वे की न्याशा ग्वांजुरा ने वनडे बॉलिंग रैंकिंग में एक अहम स्थान हासिल किया; उन्होंने दूसरे वनडे में 18 रन बनाने के साथ 4 विकेट हासिल किए। इस तरह वह 52 पायदान ऊपर चढ़कर 156वें स्थान पर पहुंच गईं।

लवलीना रोमांचक मुकाबले में नतालया बोगदानोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं

ओकाजाकी । भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने कजाकिस्तान की मुक्केबाज नतालया बोगदानोवा को स्लैपट फैसले में 3-2 से हराया। इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज से देश को गोल्ड मेडल की आस है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स में फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने जबरदस्त वापसी की। पहले राउंड में लवलीना लय में दिखाई नहीं दीं और उन्हें यह राउंड 2-3 से गंबाना पड़ा। हालांकि, इसके बाद भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया, जिसका असर उनके खेल में भी नजर आया। लवलीना ने दूसरा और फिर तीसरा राउंड अपने नाम किया। लवलीना के एक के बाद दमदार पंचों के आगे कजाकिस्तान की महिला मुक्केबाज मुश्किल में दिखाई दी। दूसरे राउंड में लवलीना को पांच जजों की ओर से 10-10 प्वाइंट मिले। वहीं, तीसरे राउंड में दो जज ने लवलीना को 10, जबकि तीन जजों ने 9 प्वाइंट दिए। हालांकि, भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंघस को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। प्रिया सेमीफाइनल मैच में लय में दिखाई नहीं दीं और उनके पास चीन की मुक्केबाज के पंचों का कोई जवाब नहीं था। प्रिया ने मुकाबले की शुरुआत जरूर आक्रामक अंदाज में की, लेकिन यांग चेंग्यू का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। पुरुष भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंचाल 80 किलोग्राम के फाइनल में पहुंच चुके हैं। वहीं, नरेंद्र ने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीता। नरेंद्र को सेमीफाइनल में ओरलबे ने एकरफरा अंदाज में 0-5 से हराया। महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा 65 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में पहुंच चुकी हैं।



महिला तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी, गोल्ड जीता

राजेश-चिकिथा ने मिक्स्ड कंपाउंड टीम इवेंट में जीता गोल्ड

ओलंपिक 2028 का टिकट भी हुआ पक्का



आइची-नगोया (जापान)। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्णिम शुरुआत लेकर आया। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने असाधारण और अचूक निशानेबाजी का मुजाहिदा पेश करते हुए देश की झोली में 7वां स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) डाल दिया। महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने मजबूत प्रतिद्वंद्वी चीन को 238-234 के अंतर से पराजित किया।

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी टीम ने गोल्ड पर निशाना लगाया है। महिला टीम के गोल्ड जीतने के बाद राजेश जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए साउथ कोरिया को एक रोमांचक शूट-ऑफ में हराया। फाइनल में मुकाबला 157-157 की बराबरी पर खत्म हुआ, जिसके बाद भारतीय जोड़ी ने शूट-ऑफ में साउथ कोरिया के पार्क जुंगयून और चोई योंगही को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट का कोटा भी हासिल कर लिया है। यह इवेंट पहली बार ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। इससे पहले, महिला टीम के गोल्ड मेडल जीतने के बाद, यह चिकिथा का आइची-नागोया में दूसरा गोल्ड है। एशियन गेम्स



2026 में यह भारत का आठवां गोल्ड है। कुल मिलाकर, भारत के मेडल अभी 54 हैं, जिसमें आठ गोल्ड, 21 सिल्वर और 25 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। चिकिथा और साहिल ने शानदार शुरुआत की, दोनों तीरंदाजों ने अपने शुरुआती शॉट में 10-रिंग हासिल की। ? ?शुरुआती रोटेशन के बाद कोरियाई खिलाड़ियों ने उनकी बराबरी करते हुए स्कोर 20-20 कर दिया।

इसके बाद भारत को पहला फायदा तब मिला जब पार्क ने 9 का स्कोर किया। चिकिथा और साहिल ने 10 की एक और जोड़ी के साथ जवाब दिया और पहले एंड के आखिर में 40-39 से आगे हो गए। भारतीय जोड़ी ने दूसरे एंड में भी बेहतरीन निशाने लगाए और अपनी बढ़त दो अंक तक बढ़ा ली। चिकिथा और साहिल ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरुआती चारों शॉट में 10-10 अंक हासिल किए।

नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने मिक्स्ड ट्रैप शूटिंग इवेंट में भारत को दिलाया गोल्ड मेडल

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आया है। शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को इस टूर्नामेंट का 9वां गोल्ड मेडल दिलाया। नीरू और किनान की जोड़ी ने 34 प्वाइंट्स अर्जित करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, कतर ने 32 प्वाइंट्स हासिल करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन 23 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। ईरान फाइनल में 12 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहा। नीरू का यह एशियन गेम्स 2026 में तीसरा मेडल है। इससे पहले, नीरू ने महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर



मेडल जीता था। इसके साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। वह ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। मिक्स्ड ट्रैप इवेंट के फाइनल

में नीरू और किनान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली सीरीज में 6 प्वाइंट हासिल किए, जबकि दूसरी सीरीज में यह भारतीय जोड़ी 16 प्वाइंट अर्जित करने में कामयाब रही। तीसरी सीरीज के अंत तक भारत ने 26 प्वाइंट हासिल किए और चौथी और आखिरी सीरीज में स्कोर को 34 पर पहुंचाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

बुधवार को यह भारत ने तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, आर्चरी के मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में राजेश जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने देश को गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया को शूट-ऑफ में हराया।

महिला 4X400 मीटर रिले टीम को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पर

प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई दी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किरण पहल, एमआर पूवम्मा, प्राची चौधरी और विथ्या रामराज को मंगलवार को एशियाई खेलों में महिला 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में भारतीय टीम ने 3:29.69 का समय निकालकर बहरीन (3:30.21) और चीन (3:31.02) को पीछे छोड़ दिया, जिससे भारत ने एशियाई खेलों में महिला 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक का लंबा इंतजार खत्म किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एशियाई खेलों में महिला 4x400 मीटर रिले में शानदार प्रदर्शन के लिए किरण पहल, पूवम्मा एमआर, प्राची और विथ्या रामराज

को हार्दिक बधाई। उनकी गति और दृढ़ संकल्प ने भारत को शीर्ष स्थान पर पहुंचाया। यह भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का क्षण है और टीम वर्क की उपलब्धियों का एक बेहतरीन उदाहरण है! खिलाड़ियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। फाइनल में भारत ने छठे लेन से शुरुआत की, जिसमें किरण ने पहला लेग दौड़ा और फिर तीसरे स्थान पर अनुभवी पूवम्मा को बैटन सौंपा। पूवम्मा ने दूसरे लेग में दमदार प्रदर्शन करते हुए भारत को शीर्ष स्थान पर ला खड़ा किया। प्राची ने भारत को पदक की दौड़ में बनाए रखा और फिर एंकर लेग के लिए बैटन विथ्या को सौंप दिया। विथ्या ने शानदार फिनिशिंग करते हुए 200



मीटर के निशान के पास अपनी बढ़त बनाई और अंतिम क्षणों में बहरीन की सलवा ईद नख को पछाड़कर भारत के लिए स्वर्ण पदक पक्का किया। यह जीत एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में महिलाओं की 4x400 मीटर रिले में भारत के रजत पदक से कहीं बेहतर प्रदर्शन था।

विथ्या के लिए भी यह खेल यादगार रहा, क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता में अपना तीसरा पदक जीता। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत और कांस्य पदक जीते थे और रिले फाइनल से एक दिन पहले राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। जापान 3:31.44 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहा, उसके बाद वियतनाम, कजाकिस्तान, श्रीलंका और चीनी ताइपे रहे।

भारतीय पुरुषों ने 4X400 मीटर रिले में जीता ब्रॉन्ज

कुल 24 मेडल के साथ एथलेटिक्स में अभियान समाप्त



नागोया । भारत ने मंगलवार को पुरुषों की 4x400 मीटर रिले में ब्रॉन्ज मेडल के साथ 'एशियन गेम्स 2026' में अपने एथलेटिक्स अभियान का समापन किया। मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में धर्मवीर चौधरी, मनु शीविकर्निल, जय कुमार और विशाल थेनारसु की भारतीय चौकड़ी ने 3:01.61 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। जापान ने 3:00.75 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि कतर ने 3:00.93 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत वैपियन टीम से 0.86 सेकंड पीछे रहा। फाइनल में धर्मवीर ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और मनु को बैटन सौंपी, तब तक टीम मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी हुई थी। दूसरे लेग के दौरान मनु को भीड़ का सामना करना पड़ा और उन्हें ट्रैक पर अपनी जगह बनाने के लिए घूमना पड़ा, जिससे जब जय कुमार ने दौड़ संभाली तो भारत चौथे स्थान पर था।